चूरू जिले की रतनपुरा ग्राम पंचायत में मानव संसाधन

*डॉ. मनोज कुल्हार
**सरिता

शोध सारांश

किसी भी प्रदेश के विकास में जनसंख्या सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक है। जनसंख्या वृद्धि का कृषि के विकास पर अत्यधिक प्रभाव पडता है। जनसंख्या वृद्धि के साथ जल संसाधनों के उपयोग मे परिवर्तन आना स्वभाविक है। बढ़ती जनसंख्या जीविकोपार्जन हेतु संसाधनों पर आश्रित रहती है, परिणामस्वरूप जल संसाधन के उपयोग में परिवर्तन आता है, जो एक सतत प्रक्रिया है। इस प्रकार जनसंख्या और जल संसाधन का अन्योन्याश्रित सम्बन्ध हैं। जनसंख्या में वृद्धि होने पर जल संकट दृष्टिगत होता है तकनीक तथा उपयोग परिवर्तन होता है, जिससे वह बढ़ती हुई जनसंख्या के लिये जल, भोजन, वस्त्र एवं उद्योगों के लिए कच्चा माल तथा अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। जनसंख्या में वृद्धि होने पर जल संसाधनों का गहन उपयोग होने लगता है और तद्नुरूप तकनीकी में परिवर्तन होने लगता है प्रबन्ध व उत्पादन के रूप में कृषि से सम्बन्धित जनसंख्या उसके विकास का नियन्त्रक है। वर्ष 2001 की जनगणनानुसार चूरू जिले की रतनपुरा ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या 6657 थी। तहसील में केवल ग्रामीण जनसंख्या निवास करती है। पुरूष जनसंख्या वर्ष 2001 में 3414 तथा महिला जनसंख्या 3243 थी। इसी प्रकार रतनपुरा ग्राम पंचायत की वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या बढ़कर 7151 हो गई है। कुल जनसंख्या में पुरूष जनसंख्या 3741 तथा स्त्री जनसंख्या 3411 आंकी गई है। दशकीय वृद्धि के अध्ययन से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत के राजस्व गाँव रतनपुरा में वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2011 में 245 लोगों की वृद्धि हुई है जिसमें 126 पुरूषों की एवं 119 महिलाओं की वृद्धि हुई है। किसी भी क्षेत्र के लिए जनसंख्या उसके जीवन के रक्त के रूप में होती है इसलिए जनसंख्या के अध्ययन के बिना क्षेत्र के किसी भी तत्व का अध्ययन सम्पूर्ण नहीं हो सकता। प्रस्तुत शोध प्रबंध के विश्लेषण में जनसंख्या का बहुत अधिक महत्व है। किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि, जल संसाधन उपयोग के दबाव को प्रभावित करती है यहीं कारण है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ रतनपुरा ग्राम पंचायत के जल संसाधनों का दोहन भी तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र का जल संकट बढ़ रहा है।

संकेतांक : विकास, कृषि, जल संसाधन, जनसंख्या वृद्धि, उपयोग, परिवर्तन, जल संकट, तकनीक और नियंत्रक।

परिचय

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों परस्पर सम्बन्धित है लेकिन भिन्न सकंल्पनाऐं है जनसंख्या वितरण एवं घनत्व अध्ययन की पृष्ठभूमि से पता चलता है कि जनसंख्या भूगोल के एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित होने से पूर्व ही जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का आपसी सम्बंध किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का विश्लेषण मुख्य आधार होता है। जनसंख्या वितरण प्रारूप न केवल मनुष्य के किसी क्षेत्र विशेष में बसाव सम्बन्धित अभिरूचि एवं विरूचि का द्योतक है, अपितु क्षेत्र में कार्यरत भौगोलिक कारकों

के संश्लेषण का स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है।

मानव सभ्यता के विकास एवं उसमें आई जटिलताओं के साथ–साथ न तो जनसंख्या वितरण प्रारूप ही सरलता से मिलता है और न ही इसके वितरण का स्पष्टीकरण क्योकि वर्तमान समय में जनसंख्या वितरण बहुत अधिक क्षेत्रिय विस्तार लिये हुये है और साथ ही राजनैतिक एवं प्रशासनिक ईकाईयाँ भी बढ़ गई है। अब जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन एक जटिल प्रक्रिया जरूर है, लेकिन जनसंख्या भूगोलवेत्ताओं ने जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया है।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र में चूरू जिले की रतनपुरा ग्राम पंचायत के मानव संसाधनों में आ रहे बदलाव का अध्ययन करना शोद्यार्थी का मुख्य उद्देश्य है।

आंकड़े एवं सांख्यिकीय विधि

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़े उपयोग में लिये गये है। आंकड़ों के साधारणीकरण के लिये गणना कर आंकड़ों को सारणी, आरेख और मानचित्रों के माध्यम से प्रर्दशित किया गया है।

जनसंख्या वृद्धि दरः

किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति सामाजिक मान्यताओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि का प्रतिफल होती है। एक निश्चित समयावधि में किसी स्थान के निवासियों की संख्या में हुये परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि द्वारा व्यक्त किया जाता है। जनसंख्या वृद्धि को कुल जनसंख्या तथा प्रतिशत दोनों के द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। प्रतिशत मूल्य ज्ञात करने के लिये निरपेक्ष वृद्धि को विगत वर्ष की जनगणना से भाग देकर 100 से गुणा कर दिया जाता है तथा वास्तविक वृद्धि दर ज्ञात करने के लिये 10 का भाग देकर ज्ञात की जाती है।

सारणी सं. 1 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वृद्धि (प्रतिशत में)

क्र.सं.	वर्ष	वृद्धि दर (कमी / वृद्धि)
1.	1931	—
2.	1941	0.88
3.	1951	1.69
4.	1961	2.14
5.	1971	2.79
6.	1981	2.82
7.	1991	3.66
8.	2001	3.63
9.	2011	7.72

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, 2011 राजस्थान।

रतनपुरा ग्राम पंचायत में वर्ष 1941 में जनसंख्या वृद्धि दर 0.88 प्रतिशत थी जो वर्ष 1951 में बढ़कर 1.69 हो गई। वर्ष 1951 से 1961 के दशक में कुछ कारणों से अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि दर में आमूलचूल वृद्धि आई। वर्ष 1961 में रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वृद्धि दर 2.14 प्रतिशत ही रही तथा वर्ष 1971 में यह 2.79 प्रतिशत रही। वर्ष 1981 में पुनः वृद्धि (2.82 प्रतिशत) देखने को मिली। वर्ष 1991 के पश्चात् वर्ष 2001 तथा वर्ष 2011 में जनसंख्या वृद्धि दर में अचानक से वृद्धि देखने को मिली है।

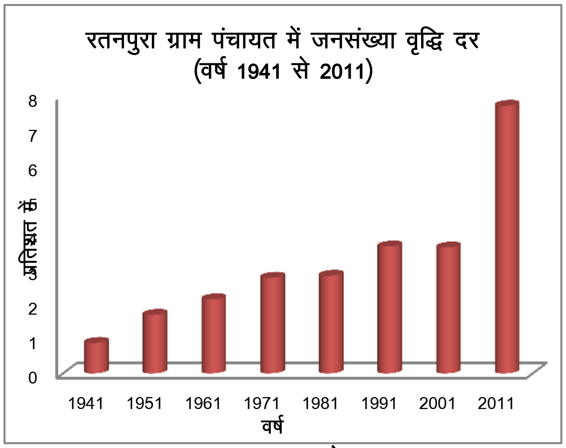

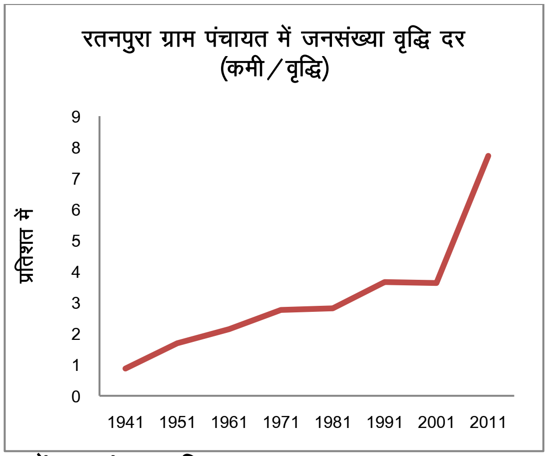

आरेख 1 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वृद्धि दर

इसका मुख्य कारण जनगणना 2011 में ग्राम पंचायत की प्रशासानिक सीमाओं में परिवर्तन के फलस्वरूप हुआ है।

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या वितरण किसी क्षेत्र की जनांकिकीय विशेषताओं के अध्ययन का आधार होता है, जनसंख्या का वितरण क्षेत्रीय प्रारूप की और इशारा करता है जनसंख्या वितरण से आशय विभिन्न क्षेत्रों में लोग कितनी संख्या में निवास करते है से है। रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या का वितरण असमान है यहाँ कहीं पर बहुत अधिक जनसंख्या निवास करती है तो कहीं पर बहुत कम जनसंख्या निवास करती है।

सारणी सं. 2 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वितरण

राजस्व गांव	जनसंख्या					
	वर्ष 2001			वर्ष 2011		
	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला
रतनपुरा	3071	1559	1512	3316	1685	1631
कालोड़ी	939	490	449	922	512	410
जयपुरिया खालसा	679	335	344	795	406	389
जयपुरिया पट्टा	224	119	105	251	132	119
मिठड़ी बलवंतसिंह	697	355	342	771	405	366
देवीपुरा	1047	556	491	1096	600	496
कुल	**6657**	**3414**	**3243**	**7151**	**3740**	**3411**

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, वर्ष 2011, राजस्थान।

सारणी सं. 3 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वितरण का दशकीय अन्तराल

जनसंख्या का दस वर्षीय अन्तराल			
ग्राम	**कुल**	**पुरूष**	**महिला**
रतनपुरा	245	126	119
कालोड़ी	.17	22	.39
जयपुरिया खालसा	116	71	45
जयपुरिया पट्टा	27	13	14
मिठड़ी बलवंतसिंह	74	50	24
देवीपुरा	49	44	5
कुल	**494**	**326**	**168**

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, वर्ष 2011, राजस्थान।

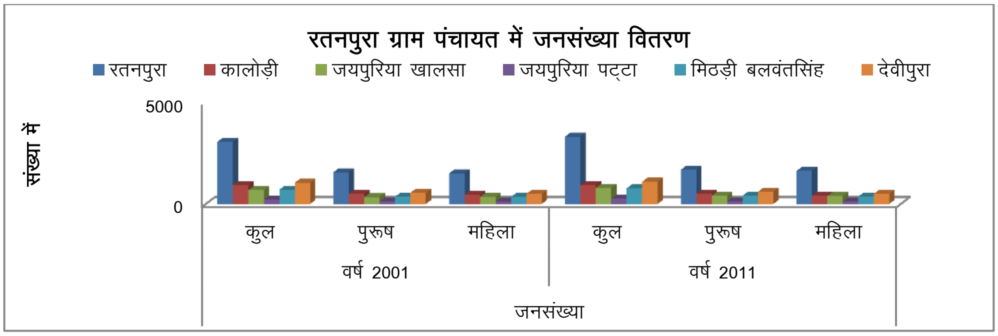

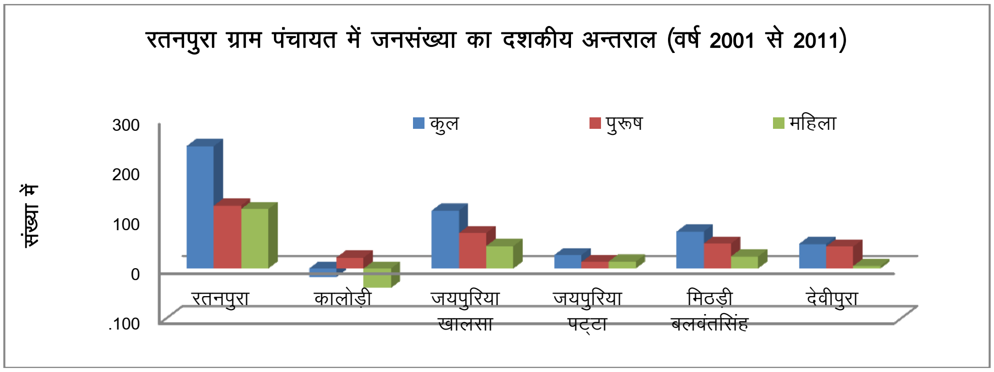

आरेख 2 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या वितरण

वर्ष 2001 की जनगणनानुसार चूरू जिले की रतनपुरा ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या 6657 थी। तहसील में केवल ग्रामीण जनसंख्या निवास करती है। पुरूष जनसंख्या वर्ष 2001 में 3414 तथा महिला जनसंख्या 3243 थी।

इसी प्रकार रतनपुरा ग्राम पंचायत की वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या बढ़कर 7151 हो गई है। कुल जनसंख्या में पुरूष जनसंख्या 3741 तथा स्त्री जनसंख्या 3411 आंकी गई है। दशकीय वृद्धि के अध्ययन से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत के राजस्व गाँव रतनपुरा में वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2011 में 245 लोगों की वृद्धि हुई है जिसमें 126 पुरूषों की एवं 119 महिलाओं की वृद्धि हुई है। दूसरी ओर सबसे कम दशकीय वृद्धि कालोड़ी गाँव में हुई है। इस गाँव में वर्ष 2001 की तुलना में वर्ष 2011 में कुल जनसंख्या में कमी आई है विशेष रूप से महिला जनसंख्या में कमी आई है जिसका प्रमुख कारण शादी फलस्वरूप महिलाओं का दूसरे गाँवों में प्रवास करना रहा है।

जनसंख्या घनत्व

प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर निवास करने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है संतुलित जनसंख्या घनत्व किसी प्रदेश की उन्नति और भावी विकास का अनुमान लगाने में मुख्य आधार होता हैं। जनसंख्या घनत्व कई कारणों का परिणाम हैं जिसमें प्राकृतिक, सामाजिक, ऐतिहासिक और कृषि आदि कारकों को गिनाया जा सकता हैं अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक असमानता के कारण यहाँ जनसंख्या घनत्व में विभिन्नता पाई जाती है।

सारणी सं. 4 : रतनपुरा ग्राम पंचायतः जनसंख्या घनत्व

ग्राम	क्षेत्रफल	वर्ष 2001	जनसंख्या घनत्व	वर्ष 2011	जनसंख्या घनत्व	10 वर्षीय अन्तराल
रतनपुरा	19.3	3071	159	3316	172	13
कालोड़ी	9.03	939	104	922	102	.2
जयपुरिया खालसा	6.8	679	100	795	117	17
जयपुरिया पट्टा	6.59	224	34	251	38	4
मिठड़ी बलवंतसिंह	5.95	697	117	771	130	12
देवीपुरा	4.37	1047	240	1096	251	11
कुल	52.04	6657	128	7151	137	9

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, वर्ष 2011 राजस्थान।

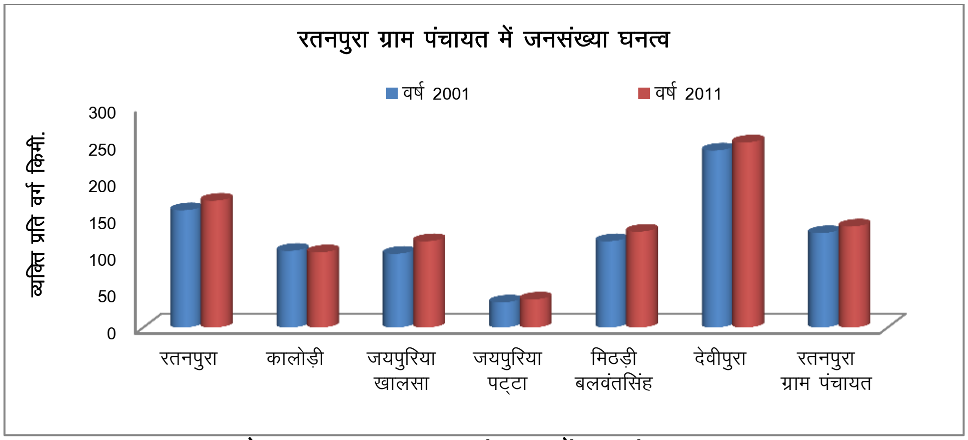

आरेख 4 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या घनत्व

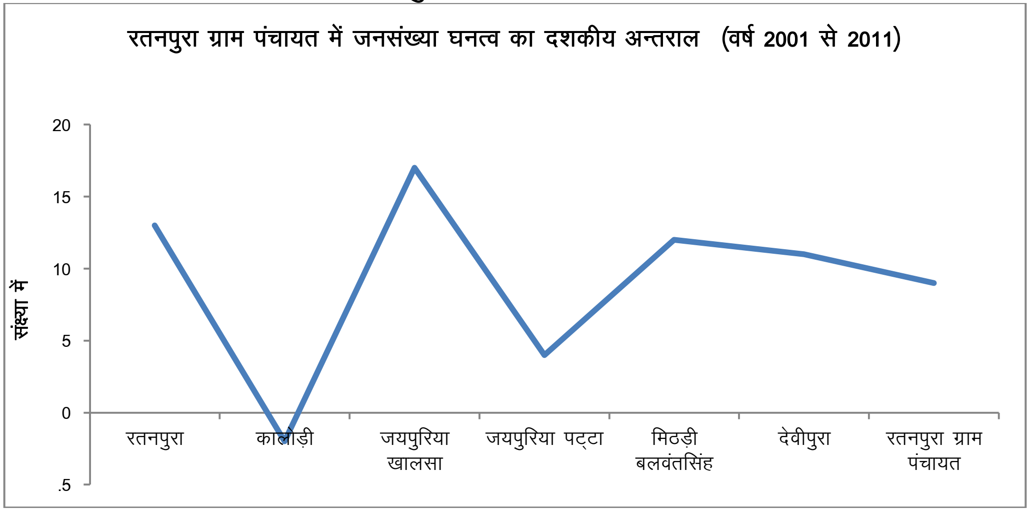

आरेख 4 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या वितरण को पूर्णतः विश्लेषण जनसंख्या घनत्व के माध्यम से किया जाता है। जनसंख्या घनत्व से तात्पर्य प्रति इकाई में रहने वाले लोगों की संख्या से है। रतनपुरा ग्राम पंचायत में वर्ष 2001 कुल जनघनत्व 128 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जो बढ़कर वर्ष 2011 में 137 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर हो गया। इस प्रकार दस वर्षों में कुल 9 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की दर से जनसंख्या घनत्व में वृद्धि दर्ज की गई है।

राजस्व गाँवों में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व देवीपुरा गाँव का है जिसमें वर्ष 2001 में 128 व्यक्ति तथा वर्ष 2011 में

137 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर अंकित किया गया है। दूसरी ओर सबसे कम जनसंख्या घनत्व जयपुरिया पट्टा गाँव का है जिसमें वर्ष 2001 में 34 व्यक्ति तथा वर्ष 2011 में 38 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर अंकित किया गया है। इस प्रकार इस गाँव में मात्र 4 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की दर से जनघनत्व में वृद्धि हुई है।

अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रो में निवास करती है। अध्ययन क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 6 आबाद गाँव हैं जिनका जनघनत्व पूर्णतया ग्रामीण क्षेत्रों में फैला हुआ है।

लिंगानुपात

किसी क्षेत्र की जनसंख्या में लिगांनुपात पुरूष एवं स्त्रियों के मध्य अनुपात का सूचक लिंगानुपात प्रति एक हजार पुरूषों पर स्त्रीयों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार रतनपुरा ग्राम पंचायत का लिंगानुपात 912 हैं।

सारणी सं. 5 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में लिंगानुपात

ग्राम	वर्ष 2001	वर्ष 2011	10 वर्षीय अन्तराल
रतनपुरा	970	968	-2
कालोड़ी	916	801	-116
जयपुरिया खालसा	1027	958	-69
जयपुरिया पट्टा	882	902	19
मिठड़ी बलवंतसिंह	963	904	-60
देवीपुरा	883	827	-56
कुल	950	912	-38

स्त्रोतः जनगणना प्रतिवेदन, वर्ष 2011 राजस्थान।

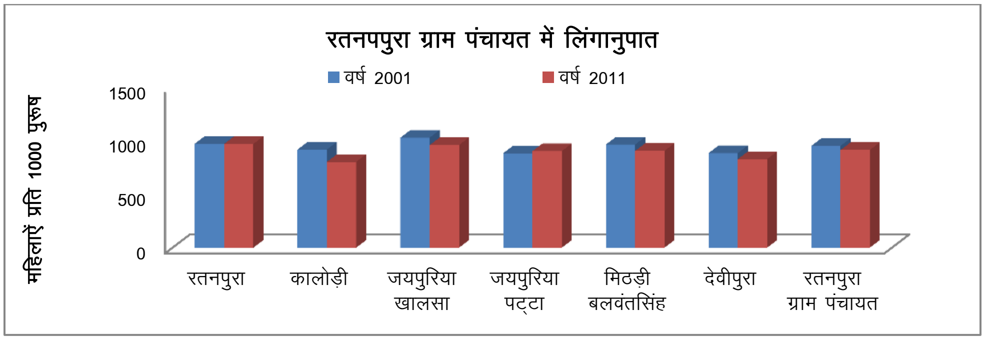

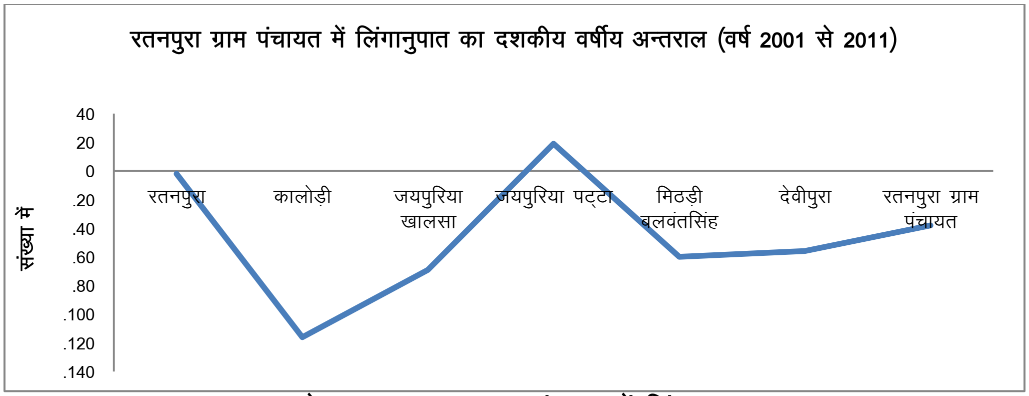

आरेख 5 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में लिंगानुपात

रतनपुरा ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या वर्ष 2001 में 6657 थी जिसका कुल लिंगानुपात 950 था जो वर्ष 2011 में घटकर 912 हो गया जबकि ग्राम पंचायत की वर्ष 2011 की कुल जनसंख्या 7151 थी, जिसमें 38 महिलाओं की कमी हुई है। राजस्व गाँवों के अनुसार अध्ययन से स्पष्ट है कि वर्ष 2001 में सर्वाधिक लिंगानुपात जयपुरिया खालसा गाँव का था। इस गाँव का लिंगानुपात वर्ष 2001 में 1027 महिलाऐं प्रति हजार पुरूष था, जो वर्ष 2011 में घटकर 958 ही रह गया। इस प्रकार इस गाँव में महिलाओं की संख्या में 69 महिलाओं की कमी हुई है। वर्ष 2001 में सबसे कम लिंगानुपात जयुपरिया पट्टा में 882 महिलाऐं दर्ज किया गया था जिसमें वर्ष 2011 में (902 महिलाऐं) वृद्धि अंकित की गई। वर्ष 2011 की जनगणना के अध्ययन से स्पष्ट है कि इस जनगणना वर्ष में सर्वाधिक लिंगानुपात रतनपुरा गाँव में (968 महिलाऐं) और सबसे कम कालोड़ी गाँव (801 महिलाऐं) दर्ज किया गया है।

साक्षरता

साक्षरता किसी भी सभ्य समाज के विकास का मापदण्ड है। साक्षर व्यक्तियों को सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित विकास कार्यों की जानकारी अधिक होती है। समाज का यही वर्ग किसी भी कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अपनी सहभागिता निभाता है। साक्षर व्यक्ति में किसी भी कार्यक्रम के सकारात्मक व नकारात्मक पहलूओं के मूंल्याकन करने की क्षमता अधिक होती है। साक्षरता जनसंख्या की गुणात्मक विशेषता है जो किसी क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास का एक यथार्थ व विश्वसनीय सूचक है।

साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले कारको में आर्थिक विकास का स्तर नगरीकरण, जीवन स्तर, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा सरकारी नीतियाँ प्रमुख है। रतनपुरा ग्राम पंचायत में साक्षरता का अध्ययन यदि कृषि कार्य के संदर्भ में करे तो कृषि विकास एवं आधुनिकरण प्रक्रिया हेतु किसान का साक्षर होना आवश्यक हैं। शिक्षित किसान कृषि उत्पादन की नई तकनीकियों को मशीनरी आदि के बारे में जानकारी विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त करके आसानी से अपने व्यवसाय में अपना लेता है तथा अशिक्षित किसान पुरानी कृषि पद्धति एवं रूढिवादी विचारों के आधार पर ही कृषि कार्य करता है। अशिक्षित किसान कृषि को देवी–देवताओं का दान या उपकार मानते है, जबकि शिक्षित किसान इन विचारों से दूर रहते हुए कृषि में नई तकनीकियों एवं औजारों का प्रयोग करता हुआ कृषि उत्पादन में वृद्धि करता है। शिक्षित किसान साख सुविधाओं कृषि विपणन आदि सुविधाओं का भी अधिकतम लाभ प्राप्त करने की दिशा में हमेशा तत्पर रहता हैं।

सारणी संख्या 6 : रतनपुरा ग्राम पंचायत साक्षरता – वर्ष 2001–2011

क्षेत्र	साक्षरता प्रतिशत में					
	वर्ष 2001			वर्ष 2011		
ग्राम	कुल	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला
रतनपुरा	57.47	70.96	43.47	68.44	81.28	47.19
कालोड़ी	68.07	80.44	55.39	72.26	82.46	59.51
जयपुरिया खालसा	71.83	87.81	56.76	73.65	89.91	58.98
जयपुरिया पट्टा	75.98	82.47	68.29	77.39	86.67	70.45
मिठड़ी बलवंतसिंह	73.38	84.03	63.09	75.33	84.69	66.18
देवीपुरा	74.64	86.6	61.78	77.12	88.67	65.15
कुल	**65.34**	**78.13**	**52.18**	**72.94**	**84.32**	**56.47**

स्रोत : कार्यालय जिला सांख्यिकी अधिकारी, चूरू, वर्ष 2001, 2011

सारणी संख्या 7 : रतनपुरा ग्राम पंचायत साक्षरता– दशकीय अन्तर

गाँव	साक्षरता प्रतिशत में		
	10 वर्षीय अन्तर		
	कुल	पुरूष	महिला
रतनपुरा	10.97	10.32	3.72
कालोड़ी	4.19	2.02	4.12
जयपुरिया खालसा	1.82	2.10	2.22
जयपुरिया पट्टा	1.41	4.20	2.16
मिठड़ी बलवंतसिंह	1.95	0.66	3.09
देवीपुरा	2.48	2.07	3.37
कुल	**7.60**	**6.19**	**4.29**

स्रोत : कार्यालय जिला सांख्यिकी अधिकारी, चूरू, वर्ष 2001,2011

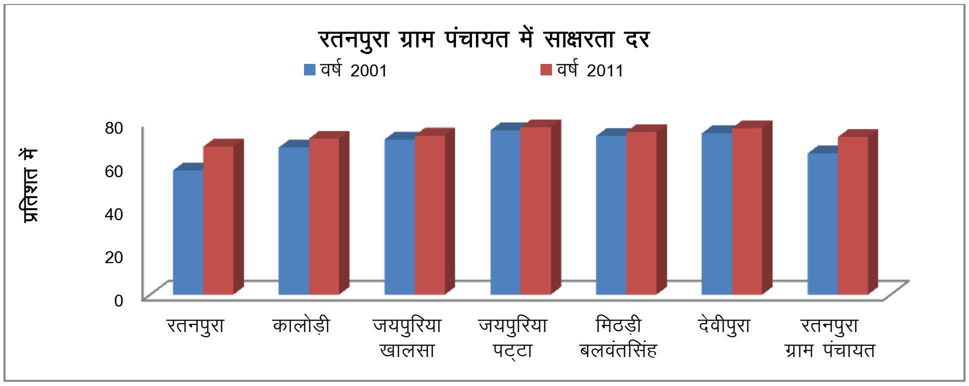

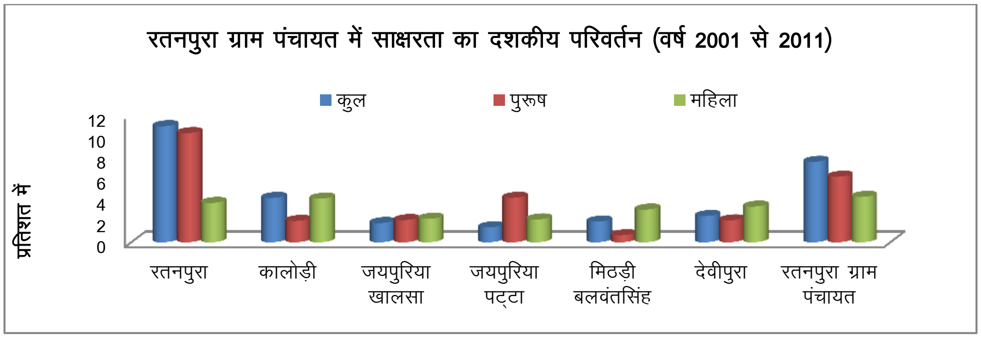

आरेख 6 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में साक्षरता दर

अध्ययन क्षेत्र रतनपुरा ग्राम पंचायत साक्षरता की दृष्टि से उत्तम स्थान रखता है। वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार साक्षरता मात्र 65.34 प्रतिशत थी। जिसमें पुरुष साक्षरता 78.13 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 52.18 प्रतिशत थी। सन् 2011 में साक्षरता में काफी अधिक बढोत्तरी हुई। जिसका प्रतिशत 72.94 था, जिसमें से पुरूष साक्षरता 84.32 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 56.47 प्रतिशत हो गई। इस दशक में महिला साक्षरता में काफी अधिक साक्षरता की दर बढ़ी।

राजस्व गाँवों का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि वर्ष 2001 में सर्वाधिक साक्षरता जयपुरिया पट्टा गाँव (75.98 प्रतिशत) की दर्ज की गई है तथा सबसे कम रतनपुरा गाँव (57.47 प्रतिशत) में दर्ज की गई। वहीं वर्ष 2011 की जनगणनानुसार भी सबसे अधिक साक्षरता दर जयपुरिया पट्टा गाँव (77.12 प्रतिशत) की तथा सबसे कम भी रतनपुरा गाँव (68.44 प्रतिशत) में दर्ज की गई है। परन्तु यदि दशकीय अन्तराल का विश्लेषण किया जाये तो सर्वाधिक साक्षरता वृद्धि रतनपुरा गाँव में 10.97 प्रतिशत तथा सबसे कम वृद्धि जयपुरिया पट्टा गाँव में 1.41 प्रतिशत की अंकित की गई है।

इसका मुख्य कारण क्षेत्र में स्कूलों का अधिक खुलना तथा लोगों में जागरूकता का होना है। लिंग भेदभाव के

दृष्टिकोण से ऊपर उठकर लोगों का सोचना है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा शिक्षा सुविधाओं का विकास करना मुख्य कारण रहा है।

व्यवसायिक जनसंख्या

जनसंख्या को आर्थिक गतिविधियों के आधार पर मुख्यतः तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। जो निम्न प्रकार से है–

1. कार्यशील जनसंख्या
2. सीमांत जनसंख्या
3. अकार्यशील जनसंख्या

1. **कार्यशील जनसंख्याः**– ऐसे व्यक्ति जो वर्ष के अधिकांश समय अर्थात् 200 दिन या इसमें अधिक दिन कार्य करते है, उन्हे कार्यशील माना जाता है।
2. **सीमांत जनसंख्याः**– ऐसे व्यक्ति जो वर्ष में कुछ समय के लिए कार्य करते है, किन्तु अधिकांश समय कार्य में संलग्न नही रहते, उन्हे सीमांत कार्य करनें वाला माना जाता है।
3. **अकार्यशील जनसंख्याः**– ऐसे व्यक्ति जिन्होने आर्थिक गतिविधियों के अन्तर्गत कभी कार्य नहीं किया हो, उन्हे अकार्यशील माना जाता है।
4.

सारणी सं. 8 : रतनपुरा ग्राम पंचायतः कार्यशील, सीमांत व अकार्यशील जनसंख्या वितरण (वर्ष 2001–2011)

श्रेणी	वर्ग	2001	2011
कार्यशील	पुरुष	1467	1465
	महिला	1042	699
	कुल	2509	2164
सीमांत	पुरुष	109	406
	महिला	496	893
	कुल	605	1299
अकार्यशील	पुरुष	1838	1899
	महिला	1705	1819
	कुल	3543	3688
कुल		**6757 (100)**	**7151 (100)**

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, चूरू, वर्ष 2001 एवं 2011

सारणी सं. 9 : रतनपुरा ग्राम पंचायत : व्यावसायिक जनसंख्या का दशकीय अन्तराल

श्रेणी	वर्ग	10 वर्षीय अन्तर
कार्यशील	पुरुष	-2
	महिला	-343
	कुल	-345
सीमांत	पुरुष	297
	महिला	397
	कुल	694
अकार्यशील	पुरुष	61
	महिला	114
	कुल	145
कुल		**394**

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, चूरू, वर्ष 2001 एवं 2011

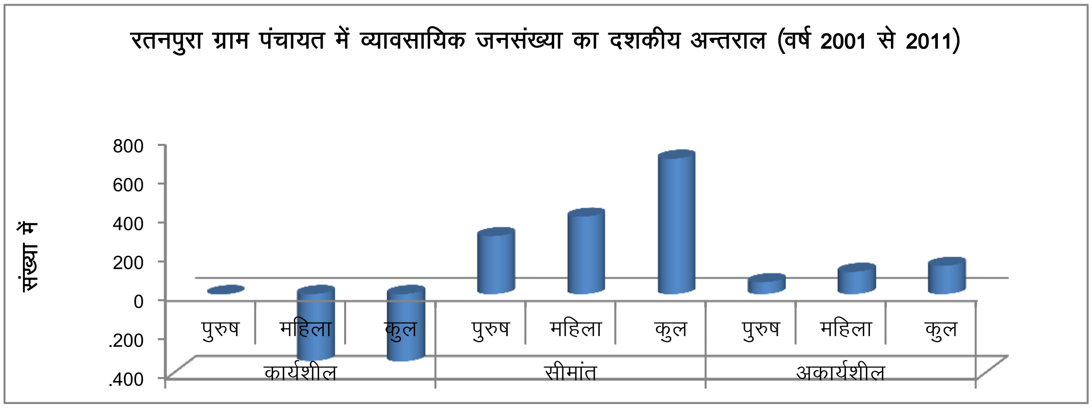

आरेख 7 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में व्यावसायिक जनसंख्या का 10 वर्षीय अन्तराल

क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्यशील जनसंख्या को अनुकूल माना गया है। रतनपुरा ग्राम पंचायत में वर्ष 2001 से 2011 तक कुल जनसंख्या में कार्यशील, सीमांत व अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत सारणी में दर्शाया गया है। वर्ष 2001 के आकड़ों के अनुसार अकार्यशील व्यक्तियों का प्रतिशत 53.22 था जबकि कार्यशील व्यक्तियों का प्रतिशत 37.68 था तथा सीमान्त व्यक्तियों का प्रतिशत 9.08 था। इस दशक में अकार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत कार्यशील जनसंख्या एवम् सीमांत जनसंख्या से कहीं अधिक था। इस प्रकार से वर्ष 2011 में अकार्यशील व्यक्तियों की संख्या का प्रतिशत 51.57 था तथा सीमान्त व्यक्तियों 18.16 प्रतिशत था। कार्यशील जनसंख्या का प्रतिशत 30.26 है। इस प्रकार दशक के दौरान अकार्यशील जनसंख्या और कार्यशील जनसंख्या में कमी हुई है तथा सीमान्त जनसंख्या के प्रतिशत में वृद्धि हुई है। अध्ययन से स्पष्ट है कि विगत दशक में जनसंख्या कृषि क्षेत्र की ओर रूझान बढ़ाने लगी है।

जनसंख्या की व्यावसायिक संरचनाः–

व्यावसायिक दृष्टि से अध्ययन क्षेत्र रतनपुरा ग्राम पंचायत की जनसंख्या को काश्तकार, खेतीहर मजदूर व पारिवारिक उद्योगों के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, जिसका विवरण सारणी में दिया गया है।

सारणी सं. 10 : रतनपुरा ग्राम पंचायत जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना

कार्य	वर्ष 2001			वर्ष 2011		
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
काश्तकार	1199	1017	2216	1042	584	1626
खेतीहर मजदूर	4	16	20	103	57	160
पारिवारिक उद्योग	5	0	5	36	6	42
अन्य कार्य करने वाले	247	21	268	284	52	336
कुल जनसंख्या			6657			7151

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, चूरू, वर्ष 2001 एवं 2011

सारणी सं. 11 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में कार्यशील जनसंख्या में दशकीय अन्तर

कार्य	पुरुष	महिला	योग
काश्तकार	.157	.433	.590
खेतीहर मजदूर	99	41	140
पारिवारिक उद्योग	31	6	37
अन्य कार्य	37	31	68

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, चूरू, वर्ष 2001 एवं 2011

सारणी सं. 12 : रतनपुरा ग्राम पंचायत जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना (प्रतिशत में)

	वर्ष 2001			वर्ष 2011		
कार्य	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
काश्तकार	54.11	45.89	33.29	0.64	35.92	22.74
खेतीहर मजदूर	20.00	80.00	0.30	0.64	35.63	2.24
पारिवारिक उद्योग	100.00	0.00	0.08	0.86	14.29	0.59
अन्य कार्य करने वाले	92.16	7.84	4.03	0.85	15.48	4.70

स्त्रोतः आर्थिक सांख्यिकी प्रतिवेदन, चूरू, वर्ष 2001 एवं 2011

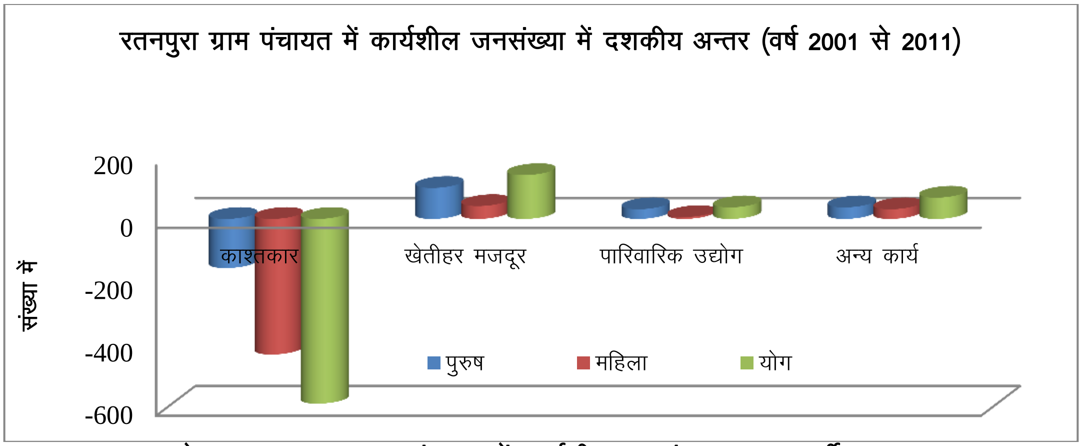

आरेख 8 : रतनपुरा ग्राम पंचायत में कार्यशील जनसंख्या का 10 वर्षीय अन्तर

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार अध्ययन क्षेत्र में सर्वाधिक काश्तकारी वर्ग में व्यावसायिक लोगों का प्रतिशत 33. 29 था जिसमें पुरुषों की संख्या 1199 व महिलाओं की संख्या 1017 थी। वर्ष 2011 में काश्तकारों का प्रतिशत घटकर 22.74 प्रतिशत हो गया, जिसमें पुरुषों की संख्या 1042 व महिलाओं की संख्या घटकर 584 हो गई। वर्ष 2001 में खेतीहर मजदूरों का कुल प्रतिशत 0.30 था जिसमें पुरुषों की संख्या 4 व महिलाओं की संख्या 16 थी, जो वर्ष 2011 में बढ़कर कुल प्रतिशत 2.24 हो गया। खेतीहर मजदूरों में पुरुषों की संख्या 103 तथा महिलाओं की संख्या 57 हो गई। वर्ष 2001 में पारिवारिक उद्योगों में लगे लोगों का कुल प्रतिशत 0.08 था, जो बढ़कर वर्ष 2011 में 0.59 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2001 में पारिवारिक उद्योगों में लगे पुरुषों की संख्या 5 थी जो बढ़कर वर्ष 2011 में 36 हो गई, जबकि पारिवारिक उद्योगों में लगी महिलाओं की संख्या वर्ष 2001 में ना के बराबर थी जो बढ़कर वर्ष 2011 में 6 हो गई। अन्य कार्य करने वाले मजदूरों का वर्ष 2001 में कुल प्रतिशत 7.84 था, जिसमें पुरुषों की संख्या 247 थी, जो घटकर वर्ष 2011 में 4.70 प्रतिशत हो गया। अध्ययन क्षेत्र में वर्ष 2001 में लगी अन्य कार्यो में महिलाओं की संख्या 21 थी जो कि वर्ष 2011 में बढ़कर 52 हो गई। सारांश रुप में देखा जाए तो काश्तकारों एवं अन्य कार्यों में लगे लोगों का प्रतिशत 2001 की तुलना में 2011 में घटा है। शेष खेतीहर मजदूरों तथा पारिवारिक कार्यों में संलग्न लोगों के प्रतिशत में वृद्धि हुई है।

निष्कर्ष:

मानव सभ्यता के विकास एवं उसमें आई जटिलताओं के साथ–साथ न तो जनसंख्या वितरण प्रारूप ही सरलता से मिलता है और न ही इसके वितरण का स्पष्टीकरण क्योंकि वर्तमान समय में जनसंख्या वितरण बहुत अधिक क्षेत्रीय विस्तार लिये हुये है और साथ ही राजनैतिक एवं प्रशासनिक ईकाईयाँ भी बढ गई है। अब जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन एक जटिल प्रक्रिया जरूर है, लेकिन जनसंख्या भूगोलवेत्ताओं ने जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया है।

अध्ययन क्षेत्र में पुरूष साक्षरता की तुलना में महिला साक्षरता कम है इसका प्रमुख कारण स्त्रियों का शिक्षा के प्रति

जागरूक न होना है तथा इसके अलावा अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का ज्यादा भाग ग्रामीण होने के कारण पुरूष व स्त्रियाँ कृषि कार्यो में लगे हुए हैं एवं बच्चों को भी शीघ्र ही खेती के काम मे लगा लिया जाता है। वर्तमान समय में क्षेत्र में आज भी बच्चो को स्कूल न भेजकर घरेलू व कृषि कार्यो में अधिकाधिक रूप से लगाया जाता है। साथ ही क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं का भी अभाव है। यद्यपि ग्राम पंचायत में साक्षरता दर पुरूषों एवं महिलाओं की लगभग समान ही है। ग्राम पंचायत में सरकार ने साक्षरता को बढाने हेतु शिक्षा कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाओं की स्थापना आदि के माध्यम से प्रयासरत है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में सरकार विशेष आर्थिक भार उठाकर शिक्षा के प्रसार का प्रयास कर रही है। जिससे अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का स्तर बढ रहा है।

किसी क्षेत्र या देश का आर्थिक विकास जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों से प्रभावित होता है उससे कहीं अधिक योगदान क्षेत्र के आर्थिक विकास मे जनसंख्या का होता है प्राकृतिक संसाधन निष्क्रिय होते है लेकिन मानव ही प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है जनसंख्या, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता ,स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रूप में प्रभाव दिखाते है।

वर्ष 2001 से 2011 की जनगणना तक के समय में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या में सकारात्मक वृद्धि अंकित की गई है। लिंगानुपात विगत दशक में घटकर 912 स्त्रियाँ प्रति 1000 पुरूष हो गई है। जनसंख्या घनत्व भी 137 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गया। आधारभूत सुविधाओं के उच्च विकास के कारण साक्षरता दर में परिवर्तन अध्ययन क्षेत्र में देखा गया है। विशेषकर महिलाओं की शिक्षा में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। वर्ष 2011 में रतनपुरा ग्राम पंचायत की सकल साक्षरता 72.94 प्रतिशत दर्ज की गई है।

अध्ययन क्षेत्र में प्राथमिक व्यवसाय के अतिरिक्त कार्यों के विकास से उत्पादकता, रोजगार आदि में भी वृद्धि हुई है। यहां भूमि उपयोग परिवर्तन पर जनसंख्या का दबाव अधिक रहा है जिससे यहां आर्थिक सामाजिक विकास भी बढ रहा है और भूमि उपयोग को विभिन्न विधियों के साथ समायोजित किया जा रहा है। उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि क्षेत्र कृषि विकास व रोजगार सम्भावना के साथ–साथ मानव विकास सूचकांकों में वृद्धि होगी जिससे क्षेत्र का भविष्य उज्ज्वल होगा।

***सहायक आचार्य**
भूगोल विभाग
राजकीय महाविद्यालय, मलसीसर, झुंझुनूं
****शोधार्थी**
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)

सन्दर्भः

1. आर्थिक समीक्षा, राजस्थान सरकार, 2019–20।
2. भल्ला, एल. आर. (2014), राजस्थान का भूगोल, कुलदीप प्रकाशन, जयपुर।
3. जाट, बी. सी. (2013), राजस्थान मानचित्रावली, आर. बी. डी. पब्लिकेशंस, जयपुर।
4. Some facts about Rajasthan 2011. Dirrectoratte of economics & statistics of Rajasthan, Jaipur, वं जनगणना श्रृंखला 2011–12 & Rajasthan final populattion totals (2011)